कक्षा–12

हिन्दी विषय की तैयारी करने हेतु महत्वपूर्ण सुझाव

- हिंदी विषय में गद्य, पद्य, कथा साहित्य, संस्कृत–खण्ड, व्याकरण, काव्य सौन्दर्य, खण्डकाव्य एवं निबन्ध सम्मिलित है। परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के लिए समय का उचित प्रबन्धन करके सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का एकाग्रतापूर्वक पुनरावृत्ति करें एवं विषय को रटने के स्थान पर भली–भाँति समझ कर पढ़ें।

- निर्धारित काव्य का अध्ययन करते समय कविता में निहित काव्य सौन्दर्य के तत्वों (रस, छन्द, अलंकार) को रेखांकित करें और परिभाषा एवं उदाहरण का अभ्यास करें।

- गद्य के अन्तर्गत लेखकों की रचनाओं को पढ़ते समय प्रत्येक अध्याय के मूल भाव को समझें तथा सारांश, उद्देश्य एवं भाषा शैली को अपने शब्दों में लिखने का अभ्यास करें।

- संस्कृत खण्ड को पढ़ते समय अध्याय के कठिन शब्दों के अर्थ को कण्ठस्थ कर लें और अभ्यास करें। संधि, धातु रूप, शब्द रूप, विभक्ति परिचय, समास इत्यादि के नियम एवं परिभाषा को भली–भाँति समझ लें एवं एकाग्रता के साथ अभ्यास करें, जिससे प्रश्न पत्र को हल करते समय व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धि का अभाव रहे।

- शब्द रचना के तत्व–लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, शब्दों में सूक्ष्म अन्तर, अनेकार्थी शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, वाक्यों में त्रुटिमार्जन एवं तत्सम शब्द, इत्यादि के नियम एवं परिभाषा को भली–भाँति समझ लें एवं अभ्यास करें, जिससे प्रश्नपत्र को हल करते समय व्याकरण एवं वर्तनी संबधी अशुद्धि का अभाव रहे एवं नए शब्द रचना और वाक्य गठन मे सहायता मिले।

- परीक्षा के पूर्व गत वर्ष के प्रश्नपत्र एवं आदर्श प्रश्न पत्र को निर्धारित समय के अन्तर्गत पूरा करने का अभ्यास करें।

- सर्वप्रथम प्रश्नपत्र को पढ़ लें, प्रश्नपत्र में दिये गये निर्देशों को अच्छी तरह समझने के पश्चात ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर तथ्यपरक एवं स्पष्ट लिखें तथा प्रयास करें कि व्याकरण एवं वर्तनी सम्बन्धी अशुद्धियाँ न हों।

- लेखक एवं कवि का जीवन परिचय एवं साहित्यिक परिचय लिखते समय फ्लो चार्ट का प्रयोग कर सकतें हैं जैसे–

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
जन्म– स्थान– माता पिता– भाषा– रचनाएँ– मृत्यु–

- उत्तर लिखते समय अंक के अनुरूप शब्द–सीमा का ध्यान रखें।

- पैराग्राफ आधारित प्रश्न को हल करने से पूर्व एक से अधिक बार अवश्य पढ़ लें और प्रश्न को अच्छी तरह समझ कर ही उत्तर लिखना प्रारम्भ करें।

- उत्तर लिखते समय व्याकरण के नियमों एवं विराम चिह्नों यथा– अल्पविराम, पूर्णविराम इत्यादि का सावधानी पूर्वक पालन करें।

- प्रश्न पत्र में दिये गये प्रार्थना पत्र को लिखते समय पत्र के प्रारूप को ध्यान में रखते हुए स्वच्छता और स्पष्टता के साथ संक्षिप्त शब्दों में लिखें।

- निबन्ध लिखने के लिए चयनित प्रकरण को कुछ प्रमुख बिन्दुओं में विभाजित कर लेना चाहिए जैसे– प्रस्तावना, विषय–विस्तार एवं उपसंहार इत्यादि। निबन्ध लिखते समय विचारों की क्रमबद्धता, भाषा शैली, समय एवं शब्द–सीमा का ध्यान अवश्य रखें तथा विषय से इतर भटकाव की तरफ न जायें।

- संस्कृत खण्ड पर आधारित अवतरण का सन्दर्भ सहित हिन्दी अनुवाद स्वच्छ, स्पष्ट एवं सुन्दर अक्षरों में लिखें।

- अपने जिले के लिए निर्धारित खण्ड काव्य के ही प्रश्नों का उत्तर उत्तरपुस्तिका में लिखें।